हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 36 देहरादून, बुधवार, 26 जुलाई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

ऑनलाईन कोर्सेज को अधिक से अधिक बढ़ावा देने की ज़रूरत : मुख्य सचिव 3

फिल्म के माध्यम से श्रीदेव सुमन को अनुभव करेगा उत्तराखंड : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल्ली / देहरादून , 26 जुलाई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्डी फीचर फिल्म पहाड़ी रत्न श्रीदेव सुमन का प्रोमो तथा पोस्टर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महान क्रांतिकारी श्री देव सुमन की पुण्य तिथि पर उनका स्मरण करते हुए कहा कि लोग श्रीदेव सुमन के जीवन एवं कार्यों पर आधारित इस फिल्म के माध्यम से श्रीदेव सुमन जी को अनुभव करेंगे। इस फिल्म के निर्माण के लिए कार्य कर रहे सभी कलाकारों की इसमें भूमिका अहम होगी। श्रीदेव सुमन जी द्वारा समाज के लिए दिया गया योगदान हम सभी को प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने हमेशा अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई और तानाशाही के खिलाफ जन-आंदोलन चलाए। अनेक अमानवीय यातनाओं को झेला लेकिन सच्चाई के मार्ग से विचलित नहीं हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीदेव सुमन केवल एक जननायक ही नहीं थे, बल्कि उनके भीतर एक अटल देशभक्ति थी। वे एक क्रांतिकारी, बुद्धिजीवी, रचनाकार, पत्रकार एवं दूरदृष्टि की सोच रखने वाले महापुरुष थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन चल रहा था तभी एक आंदोलन टिहरी प्रजामण्डल के द्वारा चलाया जा रहा था, जिसका नेतृत्व श्रीदेव सुमन कर रहे थे। इस लड़ाई को लड़ते-लड़ते उन्होंने कई बार शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन किए, बहुत प्रताड़ना सहनी पड़ी, कई बार आमरण अनशन भी किया। उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में बढ़-चढ़ कर भाग लिया और वर्षों तक जेल में रहे, जेल में उनके ऊपर अनेक अमानवीय अत्याचार हुए। इसके बावजूद भी सुमन जी का संघर्ष जारी रहा उन्होंने 3 मई 1944 को अपना ऐतिहासिक अनशन शुरू किया और 25 जुलाई 1944 के शाम को उन्होंने प्राणोत्सर्ग कर दिया। सुमन जी की शहादत स्वाधीनता सेनानियों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गई। मातृभूमि के लिए स्वयं को आहूत कर श्रीदेव सुमन जी ने पूरे राष्ट्र में क्रांति की अलख जगा दी। सुमन जी के विचार जितने उस वक्त प्रासांगिक थे, उतने ही आज भी हैं। वे सदैव एक प्रेरणापुंज की तरह हमारे हृदय में जीवित रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रवासी उत्तराखण्ड वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड का नैसर्गिक सौंदर्य फिल्मकारों को देवभूमि उत्तराखण्ड के लिए आकर्षण का केन्द्र बना है। राज्य में फिल्मांकन के लिए क्षेत्रीय फिल्मों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में केदारपुरी का भव्य पुनर्निर्माण का कार्य हो रहा है। बद्रीनाथ में भी मास्टर प्लान के तहत तेजी से कार्य हो रहे हैं। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या में हर साल वृद्धि हो रही है। कांवड़ यात्रा में भी इस वर्ष चार करोड़ से अधिक शिवभक्त देवभूमि उत्तराखण्ड आये और सकुशल कांवड़ यात्रा सम्पन्न हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय निवेशकों को राज्य में आकर्षित करने के उद्देश्य से दिसम्बर 2023 में देहरादून में "वैश्विक निवेशक सम्मेलन-2023" आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। इसमें प्रधानमंत्री को उत्तराखण्ड निवेशक सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया है। राज्य में निवेशकों के लिए निवेश के लिए राज्य सरकार द्वारा हर संभव मदद दी जा रही है। कृषि और उद्यान के क्षेत्र में भी राज्य में तेजी से कार्य हो रहे हैं। एप्पल, कीवी, तेजपत्ता और तिमुर मिशन पर तेजी से कार्य हो रहे हैं। औषधीय पौधों की खेती पर भी तेजी से कार्य किये जा रहे हैं, ये पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन को रोकने में भी मददगार होंगे। उत्तराखण्ड देश का पहला ऐसा राज्य है, जिसने समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में पहल की है। राज्य में भर्ती परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता के साथ हों, इसके लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है।

इस अवसर पर उत्तराखण्डी फीचर फिल्म के निर्माता बिक्रम नेगी, फिल्म निर्देशक, ब्रिज रावत, इस फिल्म में संगीत देने वाले श्रवण भारद्वाज व सुमित गुसाईं, गीत देने वाले पदम गुसाई व बृज मोहन शर्मा वेदवाल, पटकथा व संवाद लिखने वाले देवी प्रसाद सेमवाल, छायांकन देने वाले राजेन्द्र सिंह, नृत्य निर्देशक अरविन्द नेगी, शोध संकलन-कथा सार देने वाले डा.एम आर सकलानी, एसोसिएट डायरेक्टर, राजेन्द्र नेगी, कार्यकारी निर्माता, राजेश मालगुड़ी, प्रेमा नेगी पहाड़ी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

उत्तराखंड में अगले 4 दिन कैसा रहेगा मौसम, ये है अपडेट

साभार गूगल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 26 जुलाई : बारिश भूस्खलन आपदा उत्तराखंड में इन दिनों यही तीन शब्द सुनने को मिल रहे हैं। जो हरे-भरे पहाड़ लोगों को लुभाते थे, वो अब उन्हें डराने लगे हैं। लगातार भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सड़कें टूटने की वजह से लोनिवि को भी लाखों-करोड़ों का नुकसान हुआ है। इस बीच मौसम विभाग ने एक बार फिर टेंशन बढ़ाने वाली खबर दी है। बीते दिन से अगले 4 दिनों तक मौसम खराब रहेगा। लोगों को भारी बारिश का सामना करना पड़ेगा।राज्य के सभी जिलों में अगले 4 दिनों तक बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

कुमाऊं और गढ़वाल में कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन की वजह से सड़कें बंद हो सकती हैं। लिहाजा आपदा प्रबंधन विभाग और जिला प्रशासन को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटों में देहरादून, उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी और नैनीताल में अलग-अलग स्थानों पर आंधी और बिजली के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। बारिश की वजह से सड़कों का बुरा हाल है। उत्तरकाशी के बड़कोट में यमुनोत्री घाटी में रातभर मूसलाधार बारिश के चलते यमुना नदी और नाले उफान पर हैं। यमुनोत्री हाईवे जगह-जगह मलबा, बोल्डर और दलदल होने से आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। चमोली जिले के पास बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग भी मलबा गिरने के कारण तीन स्थानों पर अवरुद्ध हो गया। इस घटना के कारण बड़ी संख्या में यात्री राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर घंटों तक फंसे रहे। जगह-जगह फंसे यात्री सड़कों के खुलने का इंतजार कर रहे हैं।

हमें अपने जवानों की वीरता पर गर्व है : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 जुलाई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर देश के लिये अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सेना ने अपने शौर्य और पराक्रम से हमेशा देश का मान बढ़ाया है। हमें अपने जवानों की वीरता पर गर्व है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में भी देश के लिये बलिदान की परम्परा रही है। कारगिल युद्ध में बड़ी संख्या में उत्तराखण्ड के सपूतों ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुती दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों के कल्याण के लिये वचनबद्ध है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारतीय सेना के अदम्य साहस व शौर्य का लोहा पूरी दुनिया मानती है। भारतीय सेना के वीर जवानों ने कारगिल में विपरीत परिस्थितियों में भी दुश्मन को भागने पर मजबूर किया था। कारगिल युद्ध में देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीर सैनिकों के बलिदान को राष्ट्र हमेशा याद रखेगा।

इस रेस्टोरेंट में मोटे लोगों की एंट्री पर है पाबंदी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जुलाई : दुनिया में विचित्र जगहों की कोई कमी नहीं.जब इनके बारे में लोगों को पता चलता है तो हैरान रह जाते हैं. सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि आखिर ऐसा भी हो सकता है, आज हम एक ऐसे ही जगह के बारे में आपको बताने जा रहे हैं. क्या आप एक ऐसे रेस्टोरेंट की कल्पना कर सकते हैं जहां जाने के लिए लोगों को सारे कपड़े उतारने पड़े, शायद नहीं. मगर दुनिया में एक ऐसा रेस्टोरेंट है, जिसके नियम बेहद अजीबोगरीब हैं. यहां मोटे लोगों की एंट्री पर भी पाबंदी है.

बेहद क्रूर नियमों वाला यह रेस्टोरेंट जापान की राजधानी टोक्यो में खुला है. इस रेस्टोरेंट की न्यूड थीम नहीं बल्कि यहां एंट्री करने के नियम काफी चौंकाने वाले हैं. दरअसल, यहां आने वाले मेहमानों को पहले अपना वजन करना होता है. अगर वे ज्यादा मोटे पाए गए, तो उन्हें प्रवेश नहीं मिलता. इतना ही नहीं, अगर आपके शरीर पर टैटू या गोदना होगा तो आप प्रवेश नहीं कर पाएंगे. दिलचस्प बात इसका नाम 'द अमृत' रखा गया है जो भारतीय नाम की तरह लगता है.

इसके मुताबिक,सिर्फ 18 से 60 साल की उम्र के बीच के लोग ही प्रवेश कर सकेंगे और उससे पहले उन्हें अपने कपड़े जमा कराकर रेस्टोरेंट द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले कागज के बने अंडर गारमेंट पहनने होंगे. यहां का वेटर और स्टाफ भी आपको उन्हीं ड्रेस में नजर आएगा. इसमें यह भी लिखा है कि अगर आपका वजन आपके कद के औसत वजन की तुलना में 15 किलो या उससे ज्यादा पाया गया तो आपको इजाजत नहीं दी जाएगी.अगर आप दिखने में ज्यादा वजनी लगे, तो आपका वजन तौला भी जा सकता है.

साभार गूगल

नींद में बोलने का अध्यात्म से क्या है कनेक्शन, इस आदत से कैसे पाएं छुटकारा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जुलाई : कई लोगों को नींद में बोलने या बड़बड़ाने की आदत होती है। नींद में बोलने का संबंध आपके अवचेतन मन में चल रही बहुत सी बातों से होता है। नींद में बोलने की इस आदत के कुछ धार्मिक कारण भी हैं। जो आपके निजी जीवन के बारे में भी बताते हैं। नींद में बोलने की स्थिति आपके निजी जीवन को दर्शाती है। यह प्रेम, डर और भावनाओं को दबाने जैसी बात से भी जुड़ा है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण के अनुसार, नींद में बोलना इस बात को दर्शाता है कि आप अपने जीवन में जहां फंसे हुए हैं वहां से अब आगे निकलने का समय आ गया है।

भविष्य में आपको इस स्थिति से बाहर निकलने का बहुत ही अच्छा अवसर मिलने जा रहा है। नींद में अगर आप अपने पूर्वजों से बात करते हैं तो वह आपको समस्याओं का सही हल भी बता सकते हैं।

साभार गूगल

मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक ये आदत व्यक्ति के दिमाग में चल रहे तनाव को दर्शाती है। यह समस्या उन लोगों को ज्यादा परेशान करती है जो पहले से ही किसी मानसिक समस्या का सामना कर रहे हैं। नींद में ज्यादातर व्यक्ति ऐसी बातें बोलता है जो उसने अपने मन के भीतर दबाकर रखी हैं। इस आदत से छुटकारा पाने के लिए अपने मन में छिपी बातों को किसी-न-किसी से कहने का प्रयास करें। अगर संभव हो तो अपनी दबी इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करें। इन उपायों से आपको काफी हद तक नींद में बोलने की समस्या से राहत मिलेगी।

1 अगस्त से कबाड़ हो जाएंगे ये स्मार्टफोन, क्या आप तैयार हैं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 जुलाई , अगर आप एंड्रॉइड स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं, तो आपके लिए जरूरी खबर है, क्योंकि गूगल की तरफ से कुछ स्मार्टफोन के लिए एंड्रॉइड सपोर्ट बंद किया जा रहा है। मतलब आपका फोन एक तरह से कबाड़ हो जाएगा। क्योंकि उस फोन में आप कोई भी ऐप का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे या यू कहें कि जिन ऐप्स का इस्तेमाल करेंगे, वो सिक्योर नहीं रहेंगे। हालांकि अब सवाल उठता है कि आखिर कौन से फोन के लिए एंड्रॉइड सपोर्ट बंद किया जा रहा है, तो बता दें कि गूगल की ओर से एंड्रॉइड 4.4 किटकैट के लिए एंड्रॉइड सपोर्ट बंद किया जा रहा है।

10 साल पुराने फोन हो जाएंगे खराब

बता दें कि किटकैट को साल 2013 में लॉन्च किया गया था। मतलब अगर आपका स्मार्टफोन किटकैट या उससे पहले के एंड्रॉइड वर्जन पर बेस्ड हैं, तो उसका सपोर्ट बंद कर दिया जाएगा। साधारण शब्दों में कहें, तो करीब 10 साल पुराने स्मार्टफोन पर गूगल सिस्टम काम करना बंद कर देगा। रिपोर्ट की

मानें, तो गूगल सपोर्ट 1 अगस्त से देशभर में प्रभावी हो सकता है।

किन स्मार्टफोन पर होगा असर ?

रिपोर्ट की मानें, तो मौजूदा वक्त में 1 फीसद एंड्रॉइड स्मार्टफोन और टैबलेट ही एंड्रॉइड किटकैट एंड्रॉइड सिस्टम पर बेस्ड हैं। इन स्मार्टफोन को गूगल प्ले सर्विस का सपोर्ट नहीं मिलेगा।

सिक्योर नहीं रहेगा OS

गूगल प्ले सपोर्ट बंद होने का मतलब है कि ऑपरेटिंग सिस्टम पूरी तरह से काम करना बंद कर देगा।मतलब फोन इस्तेमाल के लिहाज से सिक्योर नहीं रहेगी।

क्या उठाए स्टेप्स

जैसा मालूम है कि 10 साल पुराने डिवाइस सिक्योर नहीं होंगे। ऐसे में इन डिवाइस पर कोई पर्सनल जानकारी न रखें।वही अगर संभव हो, तो डिवाइस को रिप्लेस कर दें।

गलती को माफ करने से भी मिलते हैं कई लाभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जुलाई : आपने कई बार सुना होगा कि हमें अपने मन में बातों को भर के नहीं रखना चाहिए बल्कि उन्हें लोगों के साथ बांटते हुए भूल जाना चाहिए। इसी तरह लोगों को उनकी गलतियों को लिए माफ करना और अपनी गलती की माफी मांगना भी कई मानसिक बीमारियों से बचने का एक आसान उपाय हो सकता है। पर मनोवै-ज्ञानिकों की मानें, तो ऐसा करना और बातों को भूल जाना सबके लिए आसान नहीं होता। ऐसा इसलिए भी क्योंकि बहुत से लोग माफी को एक थोपने या बोझ के रूप में देखते हैं एक आवश्यकता, जिसे वे करने के लिए दबाव महसूस करते हैं। जबकि क्षमा करना बहुतों के लिए आसान नहीं है, यह एक ऐसा कौशल है

जिसे सीखा जा सकता है। वहीं माफ करने के कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। आइए हम आपको बताते हैं इसके बारे में क्षमा करने से सामाजिक दर्द को कम करने में मदद मिल सकती है। कम से कम अगर यह एसिटामिनोफेन के साथ संयुक्त है, तो आप बस इस आदत के कारण कई मानसिक बीमारियों से बच सकते हैं।

साभार गूगल

सामाजिक दर्द को सामाजिक अस्वीकृति के साथ आने वाली भावना के रूप में परिभाषित किया गया है। ये अक्सर तब होता है कि जब किसी को इस बात का एहसास होता है कि लोगों के कारण उनकी जिंदगी खराब हो गई है। दुनिया उसके दर्द का जिम्मेदार है।

चाहे क्षमा करना कितना भी मुश्किल क्यों न हो, पर हमें इससे पीछे हटना नहीं चाहिए। कोई मित्र आपके साथ खड़ा हो या कोई पुरानी बीमारी का निदान हो, यह कई स्वास्थ्य लाभों से जुड़ा हुआ है। अध्ययन से पता चलता है कि उनमें से 148 युवा वयस्कों के एक अध्ययन में, स्टूडेंट और उनकी टीम ने अपने तनाव के जोखिम, क्षमा करने की क्षमता और स्वास्थ्य की स्थिति को मापा। ग्रेटर स्ट्रेस की मानें जिन लोगों में माफी का निचले स्तर मिला, उनमें स्ट्रेस की मात्रा ज्यादा पाई गई। प्रत्येक खराब मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से पीड़ित लोगों के बारे में एक चीज समान थी कि ये लोग थोड़े संकुचित और मन में ज्यादा बातें रखने वाले लोग थे। उनकी तुलना में खुले दिल वाले लोगों में बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की बात की गई।

उत्तराखंड में पहली बार नजर आया हिमालयन भेड़िया

उत्तरकाशी 26 जुलाई : उत्तरकाशी के उच्च हिमालयी क्षेत्र में दुर्लभ वन्य जीवों का कुनबा बढ़ता जा रहा है। यहां पार्क प्रशासन ने ट्रैप कैमरे लगाए हैं, जिसमें कई दुर्लभ जीवों की तस्वीरें कैद हुई हैं। इस बीच गोविंद पशु वन्य जीव विहार से एक बार फिर अच्छी खबर मिली है। यहां पहली बार हिमालयन तिब्बती भेड़िया ट्रेस हुआ है। उत्तराखंड के लिए यह बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि

साभार गूगल

ये प्रदेश में पहला मामला है जब किसी वन्य जीव विहार में तिब्बती भेड़िया कैमरे में कैद हुआ है। इसके अलावा हिम तेंदुआ, भूरा भालू और उड़न गिलहरी भी कैमरे में कैद हुए हैं बता दें कि जिले के गंगोत्री नेशनल पार्क में पहले भी दुर्लभ वन्य जीव देखे गए हैं, लेकिन मोरी ब्लॉक स्थित गोविंद पशु वन्य जीव विहार में ऐसी घटना कभी रिपोर्ट नहीं की जा सकी। यहां दुर्लभ वन्य जीवों के वितरण के बारे में सही जानकारी नहीं मिल पाई थी, लेकिन अब यहां तिब्बतियन भेड़िये को देखा गया है। दरअसल विहार के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में वन विभाग सहित भारतीय वन्य जीव संस्थान की ओर से करीब 50 से 60 कैमरे लगाए गए थे। इन्हीं में से एक कैमरे में हिमालयन भेड़िये की तस्वीर कैद हुई है। इतना ही नहीं यहां हिम तेंदुआ, भूरा भालू और उड़न गिलहरी भी दिखाई दिए, जो कि जैव विविधता के लिहाज से अच्छा संकेत है। वन प्रभाग के डीएफओ डीपी बलोनी व सहायक वन संरक्षक ज्वाला प्रसाद गौड़ ने बताया कि ट्रैप कैमरे में हिमालयन भेड़िये की तस्वीर कैद हुई हैं। इस भेड़िये का उत्तराखंड में नजर आना जैव विविधता के लिहाज से अच्छा संकेत है।

ऑनलाईन कोर्सेज को अधिक से अधिक बढ़ावा देने की ज़रूरत : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 जुलाई , मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में डॉ. आर.एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल की गवर्निंग बॉडी की बैठक आयोजित हुयी। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को मांग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अधिक से अधिक संचालित किए जाने की बात कही।मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को ऑनलाईन भी उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए ऐप भी तैयार किया जा सकता है, जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए उनके कार्य के अनुरूप प्रशिक्षण मॉड्यूल उपलब्ध रहें। उन्होंने भारत सरकार के सभी प्रशिक्षण मॉड्यूल्स के साथ ही राज्य में पहले से उपलब्ध प्रशिक्षण मॉड्यूल्स को भी इससे जोड़े जाने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑनलाईन कोर्सेज को अधिक से अधिक बढ़ावा दिए जाने की बात कही। उन्होंने अकादमी के ई-लाईब्रेरी सिस्टम में नेशनल लाईब्रेरी को शामिल किए जाने के भी निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने मिशन कर्मयोगी को गेम चेंजर बताते हुए इसे अधिक से अधिक लागू किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि इसके लिए एटीआई की पूरी टीम का मजबूतीकरण किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने गवर्निंग बॉडी और कार्यकारिणी समिति में 2-2 विशेषज्ञों को रखे जाने के भी निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने एटीआई को शहरी स्थानीय निकायों को गोद लिए जाने का भी सुझाव दिया। कहा कि स्थानीय निकाय को गोद लेकर इसमें पूर्ण रूप से प्रशिक्षण मॉड्यूल को लागू किया जाए।इस अवसर पर महानि-देशक डॉ. आर.एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल बी.पी. पाण्डेय, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली एवं दिलीप जावलकर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

महिला हिंसा के नाम पर राजनीतिकरण ठीक नहीं : रेखा आर्य

नैनीताल। प्रदेश की महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि महिलाओं के साथ हिंसा होना गलत है, लेकिन कुछ राजनीतिक लोग इसका राजनीतिकरण कर रहे हैं, यह कतई भी ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में देशभर में महिलाएं सुरक्षित हैं। वहीं सरकार आपदा प्रभावित क्षेत्रों को लेकर लगातार प्रतिबद्ध है। कारगिल दिवस के पूर्व संध्या पर आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचीं महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही बारिश से विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन एवं भू-कटाव की घटनाएं सामने आ रही हैं। सूचना पर उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों का स्वयं दौरा किया।

बताया कि जिले का हली गांव काफी प्रभावित हुआ है। रोकथाम के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। साथ ही प्रभावित क्षेत्र की जियोलॉजिकल रिपोर्ट तैयार करने को भी कहा गया है। इसके अलावा नैनीताल में राजभवन मार्ग व बलियानाला के ट्रीटमेंट को लेकर भी कवायद की जा रही है। कहा कि किलबरी मार्ग में भू-धंसाव को नियंत्रित करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई हिंसा पर मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के दृष्टिकोर्ण से भाजपा की सरकार प्रतिबद्ध रूप से काम कर रही है। उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश समेत सभी जगह महिलाएं सुरक्षित हैं। राजनीतिक दल उसका राजनीतीकरण कर रहे हैं। कहा कि महिलाएं मणिपुर की हों या किसी अन्य प्रदेश की हों उनके साथ न्याय होगा।

ड्यूटी में कोताही कतई भी बर्दाश्त नहीं होगी : कुलपति

नैनीताल। कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. डीएस रावत ने मंगलवार को डीएसबी परिसर में प्राध्यापकों से सीधा संवाद किया। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता, शैक्षणिक परिसर, शोध एवं नवाचार, नीतिगत मुद्दों समेत अन्य विषयों पर बातचीत की। कहा कि शिक्षकों का दायित्व पूरी मेधा और क्षमता का प्रयोग कर विद्यार्थियों का बेहतर भविष्य तैयार करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ड्यूटी में कोताही कतई भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परिसर के एएन सिंह हाल में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. रावत ने कहा कि विश्व के अच्छे विश्वविद्यालयों में हम काफी पीछे हैं। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए ज्ञान, सृजन व चरित्र निर्माण करना महत्वपूर्ण है। शोध कार्य पर जोर देते हुए कहा कि नोबेल पुरस्कार शोध से ही प्राप्त होता है। शिक्षकों को शिक्षा की गुणवत्ता के लिए नई तकनीकी का हिस्सा बनना होगा। कहा देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में सम्मलित करने के लिए शिक्षा और शोध में नवाचार और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की जरूरत है। वर्तमान समय में शिक्षक का काम केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं है, बल्कि वह मल्टीटास्किंग चेंज एजेंट की तरह काम करता है। कहा कि कुमाऊं विवि विरासत अत्यंत गौरवपूर्ण रही है। अपने कर्तव्यों का ईमानदारी व निष्ठापूर्वक तौर से निर्वहन कर इस विरासत को आगे ले जाना होगा। उन्होंने कहा कि प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की शिकायतों के निस्तारण के लिए ग्रीवेंस सेल का गठन कर दिया है। प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी अब विवि की वेबसाइट के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। 6 कार्य दिवसों के भीतर शिकायत का निष्पादन नहीं होने पर कुलपति को ईमेल के माध्यम से अवगत करा सकते हैं।

रुड़की : मशरूम प्लांट की छत गिरने से छह महिलाएं दबी, दो की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की 26 जुलाई : रुड़की में स्थित मशरूम फैक्ट्री में छत गिरने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। जबकि चार महिलाएं मलबे में दबकर बुरी तरह घायल हो गई। मृतकों के परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर बवाल काटा। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है ,घटना बीती रात की है। झबरेडा थाना क्षेत्र के सढोली गांव में स्थित मशरूम उगाने वाली कंपनी की छत टूटने से बड़ा हादसा हो गया। छत गिरते ही पूरे प्लांट में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है प्लांट में करीब 25 से 30 महिलाएं काम करती है।

हादसे में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। घायल महिलाओं को इलाज के लिए हायर सेंटर भेजा गया है।घटना के बाद कंपनी स्वामी मौके से फरार हो गया। मृतक महिलाओं के परिजनों ने शव को प्लांट के बाहर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों ने प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि प्लांट मालिक घायलों का इलाज कराने के बजाय मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पाकर सीओ मंगलौर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की टीम ने किसी तरह परिजनों को शांत करवाया। जानकारी के मुताबिक थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र राठी ने बताया कि प्लांट मालिक से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे में मृतक महिलाओं की पहचान अमृता (27) निवासी सढोली और सुदेश (38) निवासी कोटवाल आलमपुर के रूप में हुई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

साभार गूगल

संक्षिप्त खबरें

धरमघर-दिल्ली रोडवेज बस रास्ते में हुई खराब

बागेश्वर। बदहाल हो चुकी रोडवेज बसें आए दिन बीच रास्ते में खराब हो रही हैं। डिपो में भी इनका रखरखाव नहीं हो पा रहा है। मंगलवार को एक बार फिर धरमघर-दिल्ली रोडवेज बस रास्ते में खराब हो गई। उसका ईंधन सप्लाई पाइप फट गया। इससे यात्रियों की दिक्कतें बढ़ गईं। लगभग दो घंटे बाद रोडवेज गंतव्य को रवाना हो सकी। आए दिन बसें खराब होने से लोगों ने डिपो की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। इन बसों में लोगों की जान जोखिम में डालकर यात्रा करवाई जा रही है। रोडवेज बस मंगलवार को सुबह नौ बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई। डिपो से महज तीन किमी चलने पर बस खराब हो गई। इस पर बस को खड़ा कर दिया गया। इस पर गरुड़ टैक्सी स्टैंड बागेश्वर के निकट बस में बैठे 15 यात्री भी उतर गए। बस के चालक और परिचालक ने बस में आई खराबी की जांच की। पता चला कि ईंधन इंजन तक नहीं पहुंच पा रहा है। बीच का पाइप फट गया है। बस फिर से डिपो गई और पाइप की मरम्मत कराई गई। लगभग दो घंटे बाद बस यहां से गंतव्य को रवाना हो सकी। डिपो के पास अधिकतर बसें पुरानी हैं। इस कारण बार-बार यात्रियों की फजीहत झेलनी पड़ रही है। प्रभारी रोडवेज अधिकारी षष्टी बल्लभ उपाध्याय ने कहा कि बीते सोमवार को बस धरमघर जा रही थी। आरे के समीप बस का पाइप फट गया था। उसे दुरुस्त किया गया, लेकिन मंगलवार सुबह भी उसमें खराबी आ गई।

आयोग अध्यक्ष ने बुक्सा समुदाय की समस्याओं की ली जानकारी

काशीपुर। जनजाति आयोग की अध्यक्ष लीलावती राणा ने चक्कीमोड में आयोजित कार्यकम में बुक्सा समुदाय की समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान लोगों की ओर से छह दर्जन से अधिक समस्याएं दर्ज कराईं, जिनमें से कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। पांच लाभार्थियों का मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट बांटी गई। मंगलवार को चक्कीमोड के रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में लीलावती राणा ने कहा कि आयोग जनजाति समाज की समस्याओं के निराकरण के लिए गंभीर है। उन्होंने जनजाति समाज के लोगों की समस्याओं के जल्द निराकरण का भरोसा दिलाया। शिविर में विभिन्न विभागों की तरफ से स्टाल लगाए जाने के साथ महिला समूह की ओर से भी प्रदर्शनी और स्टाल लगाए गए। आयोग अध्यक्ष ने स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के उत्पादों को बाजार में उतारे जाने पर गुणवत्ता के साथ समझौता नहीं करने की बात कही। शिविर में पांच लाभार्थियों को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट भी प्रदान की गई। यहां मुकेश राणा, तहसीलदार नीतू डागर, वीडीओ शेखर जोशी, मोहन पानू, बाबू सिंह तोमर, चन्दन नयाल, दीपा चौहान, नीमा विष्ट, भगत सिंह, डॉ. प्रदीप पांडे, मेहताब अली, अफसान सैफी आदि मौजूद रहे।

बिजली चोरी में चार पर केस दर्ज

काशीपुर। कटिया डालकर बिजली चोरी करने के मामले में एसडीओ ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। एसडीओ मदनलाल ने कहा 22 जुलाई को वह जेई मो. अजहर, लाइनमैन हरीश कुमार के साथ विद्युत लाइन का निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान मुन्नी देवी, विजय कुमार, नरेंद्र जोशी, सरिता जोशी निवासी मोहल्ला जोशीयान ने बिजली की लाइन में कटिया डाल रखी थी। पुलिस ने चारों के खिलाफ अलग-अलग रिपोर्ट दर्ज की है।

किशोरावस्था एवं अपराध विषय पर संगोष्ठी आयोजित

नैनीताल। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज बेतालघाट में मंगलवार को किशोरावस्था एवं अपराध विषय पर एक संगोष्ठी हुई। संगोष्ठी में जिसमें शहीद खेम सिंह डौर्वी की प्रधानाचार्य डॉ. ईप्सिता सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समाजशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों को विद्यार्थियों को बताते हुए किशोरों में अपराध की बढ़ती हुई प्रवृत्ति तथा उसके प्रमुख कारणों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने एक अपराध की पृष्ठभूमि से संबंधित कई और सामाजिक व मनोवैज्ञानिक घटकों का वर्णन किया। वहीं बेतालघाट कोतवाली की एसआई मेहनाज अंसारी ने विद्यार्थियों को इस विषय के कई जमीनी पहलुओं से अवगत कराया। उत्तरांचल विवि लॉ छात्रा शताक्षी शर्मा ने कानूनी आयामों पर विस्तार में चर्चा की। यहां संजय कुमार, गीता पडियार, सत्यदेव, दीपचंद त्रिपाठी, दिलीप सिंह फत्र्याल, अल्ताफ शाह, शमशेर सिंह रौतेला, मोहनलाल, राजकुमार भंडारी, कमलदीप, राजपाल नेगी, लीलाधर जोशी उपस्थित रहे।

क्या छोटी-सी बहस भी ले लेती है लड़ाई का रूप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जुलाई : एक रिश्ते में तकरार होना बेहद सामान्य और आम बात है। आम धारणा के विपरीत, तकरार हमें दूसरे व्यक्ति को अधिक स्पष्ट रूप से देखने, उनके नजरिए को समझने और उन्हें जानने में मदद करती है। इससे रिश्ते में अधिक स्पष्टता आती है और इसमें शामिल लोगों के लिए एक हेल्दी स्पेस बनाने में मदद मिलती है। हालांकि, अक्सर किसी कॉन्फ्लिक्ट से निपटने का हमारा तरीका नकारात्मक रूप ले लेता है, जिससे रिश्ते में दूरियां आने लगती हैं।

ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि किसी बहस या तकरार के दौरान हम कुछ बातों को ध्यान में रख इसे लड़ाई में बदलने से रोकें। अगर आप भी किसी कॉन्फ्लिक्ट के दौरान सही तरीके से अपना पक्ष नहीं रख पाते हैं, तो हेल्दी आर्ग्युमेंट के लिए इन टिप्स को अपना सकते हैं। अधिकांश झगड़े हमारे समझने के तरीके के कारण अनियंत्रित हो जाते हैं। हमें प्रतिक्रिया देने के बजाय समाने वाले को समझने के लिए सुनना चाहिए और दूसरा व्यक्ति क्या कहना चाह रहा है, उस बारे में अधिक स्पष्टता हासिल करना चाहिए।

आप जब भी किसी रिश्ते में अपनी बात रखना चाहते हैं, तो पहले उन सामान्य बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें, जहां आप दूसरे व्यक्ति से सहमत हैं। फिर धीरे-धीरे दो लोगों के बीच मौजूद मतभेदों की ओर बढ़ना चाहिए और उनके बारे में बात करने का प्रयास करना चाहिए। जब दो लोगों के बीच कॉन्फ्लिक्ट होने लगते हैं, तो सामने वाले की बात सुनने या मानने से बेहतर है कि उनके विचारों को चुनौती देते हुए अपनी बात रखें। इस दौरान आप दोनों को यह पता होना चाहिए कि आप रिश्ते को नुकसान पहुंचाए बिना कैसे एक-दूसरे विचारों से असहमत हो सकते हैं।

साभार गूगल

अक्सर तकरार या बहस करते समय लोग छोटी-छोटी बातों को लेकर लड़ाई शुरू कर दें। इसलिए कोशिश करें कि छोटी समस्याओं को नजरअंदाज कर बड़ी और गंभीर समस्याओं पर ध्यान देते हुए भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित करें। जब कोई बहस या तकरार बढ़ने लगे और यह लड़ाई का रूप लेने लगे, तो आपको यह पता होना चाहिए कि कब आपको बात खत्म कर बहस को रोकना और कब आपको अपनी ऊर्जा खर्च करना बंद करना है।

देहरादून : कुत्ता का रजिस्ट्रेशन नहीं कराया तो इतने का भरना पड़ेगा चालान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 जुलाई : कुत्ता पालने का शौक है, लेकिन नगर निगम में उसका रजिस्ट्रेशन नहीं है तो आपको 500 रुपये का चालान कट सकता है। इसके लिए नगर निगम टीम गठित करने जा रहा है। यह टीम शहर की सोसायटियों में जाकर छापा मारेगी और उन लोगों पर कार्रवाई करेगी जिन्होंने पालतू कुत्ते का रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। निगम की टीम ने शहर की 60 सोसायटियों को नोटिस जारी कर लोगों से कुत्तों का पंजीकरण कराने की अपील की है। दरअसल शहरभर में सुबह-शाम लोग अपने पालतू कुत्तों का घुमाते नजर आते हैं। इनमें से ज्यादातर ने अपने कुत्तों का पंजीकरण नगर निगम में नहीं कराया है। ऐसे में इन लोगों पर नगर निगम ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। इसके लिए निगम की टीम सुबह, शाम शहर के अलग-अलग इलाकों ने निगरानी करेगी। यदि कुत्ते का पंजीकरण नहीं मिला तो मालिक से 500 रुपये जुर्माना

साभार गूगल

वसूला जाएगा। इसके साथ ही उसे पंजीकरण कराने के लिए तीन दिन का समय दिया जाएगा। अगर इसके बाद भी पंजीकरण नहीं कराया गया तो निगम सख्त कार्रवाई करेगा।नगर निगम के पशु चिकित्सा विभाग में करीब 5000 कुत्तों का ही पंजीकरण हुआ है। इसमें 3400 का पंजीकरण पिछले साल हुआ था। जबकि इस साल अभी तक 1500 पंजीकरण ही हुए हैं। जबकि पशु चिकित्सा विभाग का अनुमान है कि शहर में करीब 10 हजार पालतू कुत्ते हैं। पालतू कुत्तों का पंजीकरण अनिवार्य है। इसके लिए टीम गठित की जा रही है। अगर कोई बिना रजिस्ट्रेशन के कुत्ता घूमता हुआ मिला तो उससे तत्काल पांच सौ रुपये जुर्माना वसूला जाएगा। टीम घर-घर जाकर भी जांच करेगी।

बढ़ती उम्र के असर को कम कर देती हैं ये जादुई चाय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जुलाई : आज इस लेख में हम कुछ ऐसी चाय के बारे में बात करने जा रहे हैं जिसको पीने से आपकी त्वचा में कसाव और चमक दोनों ही बरकरार रहती है। स्किन केयर के लिए ये चाय रामबाण हैं। 40 की उम्र के बाद महिलाओं की स्किन ढीली पड़ने लगती है। ऐसे में त्वचा की देखभाल के लिए पहले से ज्यादा ध्यान देना होता है। उम्र के इस पड़ाव में महिलाओं के शरीर में कई तरह के हार्मोनल बदलाव होते हैं। जिसके कारण ना सिर्फ शारीरिक बनावट में बदलाव आता है बल्कि स्वभाव में भी देखने को मिलता है। स्किन केयर के लिए चाय चाहे वजन घटाना हो या फिर बढ़ाना दोनों ही स्थितियों में ये चाय जादू की तरह काम करती है। इसके पोषक तत्व बढ़ती उम्र के असर को कम करने के लिए परफेक्ट हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

वहीं "रूइबोस" टी भी सेहत के लिए अच्छी होती है। इससे भी एंटी एजिंग गुण झुर्रियों को रोकने में मदद करते हैं। इससे आपकी स्किन में कसावट आती है और

साभार गूगल

चमक भी। तो इसे भी आप अपनी रूटीन में शामिल कर सकती हैं। "ऊलोंग" टी भी आप पी सकती हैं। इससे भी एंटी एजिंग गुण आपकी स्किन को बेहतर रखने के लिए परफेक्ट हैं। इसकी चाय पीने से चेहरे पर पड़े दाग धब्बे दूर होते हैं। तो अब से आप इस चाय को भी पीजिए। "माचा" टी भी आप पी सकती हैं. यह एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इससे चेहरे की फाइन लाइन कम होता है। 'हिबिस्कस" टी भी आप पी सकती हैं। यह भी आपकी त्वचा के लिए अच्छा होता है। यह बीटा, कैरोटीन, विटामिन सी और एंथोसायनिन से भरपूर होता है, ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर चाय है। ब्लैक टी भी आप पी सकती हैं. यह भी स्किन के लिए अच्छी होती है।

संक्षिप्त खबरें

टिहरी जनक्रांति के महानायक श्रीदेव सुमन को दी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि दी

विकासनगर। पछुवादून में मंगलवार को अमर बलिदानी श्रीदेव सुमन की पुण्य तिथि पर उन्हें भावपूर्ण नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। सामाजिक संगठनों ने उनकी याद में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। राजकीय प्राथमिक विद्यालय शाहपुर-कल्याणपुर में शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने अमर बलिदानी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। शिक्षक योगेश कुमार ने छात्रों को श्रीदेव सुमन के बलिदान की जानकारी दी। राजकीय प्राथमिक विद्यालय विकासनगर में खंड शिक्षाधिकारी वीपी सिंह ने श्रीदेव सुमन के चित्र पर माल्यापर्ण किया। प्रधानाध्यापक बनीता राणा ने कविता पाठ करते हुए कहा कि ' टिहरी जनक्रांति के महानायक, मैं तुमको शीश नवाती हूं, जीवन बलिदान की कहानी, आपकी आज सबको सुनाती हूं, राज रियासत की गुलामी में, जकड़ी थी रियासत की प्रजा सारी, स्वतंत्रता की खुली हवा में, जब सांसें ले रही थी दुनिया सारी, राजतंत्र को उखाड़ फेंकने की तब, तुमने कसम थी खाई, देख यह आक्रोश तुम्हारा तब राजशाही घबराई...। पछुवादून विकास मंच ने उच्च प्राथमिक विद्यालय लक्खनवाला में श्रीदेव सुमन को नमन किया। मंच संयोजक अतुल शर्मा ने छात्रों को बताया कि मात्र 28 वर्ष 2 महीने की अल्पायु में ही अपने देश के लिए शहीद होने वाले श्रीदेव सुमन को टिहरी की ऐतिहासिक जनक्रांति का नायक माना जाता है। श्रीदेव सुमन ने ब्रिटिश हुकूमत और टिहरी की राजशाही के खिलाफ 84 दिन की ऐतिहासिक भूख हड़ताल के बाद आज ही के दिन यानी 25 जुलाई 1944 को अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान मनोज राठौर, सुनील नौटियाल, मुकेश राज शर्मा आदि मौजूद रहे।

कालसी चकराता स्टेट हाईवे सहित जौनसार बावर के 35 मार्गों पर यातायात रहा बंद

विकासनगर। जौनसार बावर की लाइफ लाइन कहे जाने वाला कालसी चकराता मोटर मार्ग पर जजरेट की पहाड़ी बरसात के दौरान क्षेत्र के लोगों के लिए नासूर का फोडा बन गया है। आये दिन पहाड़ी दरकने से मार्ग पर वाहनों के पहिये थम जाते हैं। मंगलवार सुबह भी एक घंटे से अधिक समय तक जजरेट के पास मार्ग बंद रहा। वहीं क्षेत्र में अब भी पहाडियों से सडक़ों पर मलबा आने से पैंतीस मोटर मार्ग बंद रहे, जिससे साठ से अधिक गांवों के लोग यातायात सुविधा से वंचित हैं। कालसी चकराता मोटर मार्ग पर जजरेट की पहाड़ी दरकने से सुबह आठ बजे से नौ बजे तक मार्ग पूरी तरह से बंद रहा। लोनिवि साहिया की कड़ी मशक्कत के बाद मार्ग से मलबा हटाकर यातायात के लिए खोला गया। इस बीच हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगीं रहीं। वहीं बरसात के दौरान पहाडियों से मलबा आने पर अब भी पैंतीस मोटर मार्ग बंद मंगलवार को भी बंद रहे, जिन पर दोपहर बाद भी यातायात बहाल नहीं हो पाया है। ऐसे में साठ से अधिक गांवों व मजरों की पचास हजार से अधिक की आबादी यातायात सुविधा से वंचित रही।

ये मोटर मार्ग रहे बंदः बंद रहे मोटर मार्गों में टुंगरा, रोहटा खड्ड अटाल मोटर मार्ग, लोखंडी पिपारा,सिलीखड्ड पैनुवा, अणु चिल्हाड, क्यारापुल डामटा कोटा म्यूडा, रडू मुंधोल, किस्तूड, सुई किचनोई, कोटी कनासर रजाणू, सजाड, निनुस, राठा जाखणी गुठाड, कोटी बावर, लखस्यार लुधेरा क्यारी कचटा, कुशियो कचटा खाती, हईया अलसी, चकराता मंगरोली, होडा मंगरोली, निछिया पिहानी, बिजऊ क्वैथा खतार, हमरऊ ललऊ दातनू बडनू, तारली, लेल्टा, लाखामंडल नाडा, कोठा सैंज चंदेऊ, ध्वैरा देऊ, डिरनाड, दमन दसेऊ, मटियावा, जगथान आदि मोटर मार्गों पर देर शाम तक भी यातायात बहाल नहीं हो पाया है। जिसके चलते इन क्षेत्रों से जुडे साठ से अधिक गांवो व मजरों की जनता यातायात सुविधा से वंचित रही। इन क्षेत्रों के किसान अब भी अपनी सब्जी सहित विभिन्न उत्पादों को मंडी तक नहीं पहुंचा पा रहे है।

बांध प्रभावितों के हितों के लिए सभी एकजुट होकर संघर्ष करेंगे

विकासनगर। लखवाड़-व्यासी युवा श्रम संविदा सहकारी समिति के तत्वावधान में मंगलवार को एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें बांध प्रवाभित क्षेत्र जौनसार, जौनपुर, बिन्हार के बेरोजगारों युवाओं ने बढ़चढक़र प्रतिभाग किया। बैठक में क्षेत्र की सभी समितियां एक बैनर तले अपने मांगों की लड़ाई लड़ेगी। बैठक में प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को बांध परियोजनाओं में रोजगार देने की मांग की गयी। लखवाड़-व्यासी परियोजना से प्रावभित युवाओं ने मंगलवार को मसूरी बैंड जमुना पुल पर एक बैठक की। जिसमें प्रवाभित क्षेत्र के युवाओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

2 बड़े कारण की वजह से 100 करोड़ लोगों को हो जाएगी डायबिटीज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जुलाई : वैज्ञानिकों का दावा है कि जिस रफ्तार से डायबिटीज की बीमारी फैल रही है, उसे देखते हुए अंदाजा लगाया जा सकता है कि साल 2050 तक दुनियाभर में 1 बिलियन (100 करोड़) शुगर के मरीज हो जाएंगे। वैज्ञानिकों ने साल 1990 से 2021 के बीच 204 देशों में 27,000 से अधिक डेटा का अध्ययन करने के बाद यह दावा किया है। भारत में डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़े हैं। देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 101 मिलियन से अधिक हो गई है। साल 2019 में यह संख्या 70 मिलियन थी यानी तीन साल में 30 मिलियन से ज्यादा लोग शुगर के मरीज बन गए हैं।

साभार गूगल

डायबिटीज का कोई इलाज नहीं है इसे सिर्फ कंट्रोल करके ही स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। चलिए जानते हैं कि डायबिटीज की रफ्तार क्यों बढ़ रही है और आप बचने के लिए क्या उपाय कर सकते हैं। अध्ययन में पाया गया है कि टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज में सबसे ज्यादा मामले टाइप 2 डायबिटीज के होंगे। टाइप 1 डायबिटीज एक ऑटोइम्यून बीमारी है जहां शरीर इंसुलिन का उत्पादन नहीं कर पाता है और यह ज्यादातर बच्चों में देखा जाता है। जबकि टाइप 2 डायबिटीज एक ऐसी स्थिति है जहां धीरे-धीरे इंसुलिन रेजिस्टेंस होता है और यह आमतौर पर वयस्कों में देखा जाता है और इसे कंट्रोल किया जा सकता है।

डायबिटीज एक साइलेंट किलर बीमारी है, जो धीरे-धीरे शरीर को नष्ट करती है। इससे कई जटिलताएं जुड़ी हैं। शुगर के मरीजों को इस्केमिक हार्ट डिजीज, स्ट्रोक, कम दिखना, पैर में अल्सर होने का खतरा अधिक होता है। वैज्ञानिकों ने डायबिटीज के बढ़ने के दो प्रमुख कारण बताए हैं जिनमें उम्र और मोटापा है। शोधकर्ताओं का मानना है कि सुस्त जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से लोगों का बीएमआई (मोटापा) बढ़ रहा है। मोटापा बढ़ने के कारण- हाई कैलोरी फूड्स का अधिक सेव, हेल्दी फूड्स के लिए पैसों की कमी ,अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स का अधिक सेवन ,फैट और शुगर का ज्यादा सेवनएनिमल प्रोडक्ट का अधिक इस्तेमाल , किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी में शामिल नहीं होना ,मोटापा कम करें ,फाइबर का सेवन बढ़ाएं और साबुत अनाज वाले खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन करें ,काम के दौरान लंबे समय तक बैठे रहने के बजाय छोटे ब्रेक लें,रोजाना चलने की कोशिश करें ,रोजाना कम से कम 30 मिनट एक्सरसाइज करें ,ज्यादा प्यास लगना ,हमेशा थकान रहना ,बेवजह वजन कम होना ,कम या धुंधला दिखना ,बार-बार पेशाब आना।

मणिपुर में महिलाओं पर अत्याचार के विरोध में आप का जोरदार प्रदर्शन

मणिपुर सरकार को बर्खास्त करने की मांग की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 जुलाई , आम आदमी पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों ने संयुक्त नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर मणिपुर में हो रहे महिलाओं पर अत्याचार के विरोध में जोरदार नारेबाजी की ।इस दौरान पदाधिकारियों ने मणिपुर में हो रहे महिलाओं पर अत्याचार, बलात्कार पर मणिपुर सरकार एवं केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की ।इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष उमा सिसोदिया ने महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में मणिपुर सरकार का इस्तीफा मांगा एवं केंद्र सरकार को जमकर खरी खोटी सुनाई ।वही प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ आरपी रतूड़ी ने कहा कि इस वक्त देश के हालात आपातकाल जैसे हो गए हैं जहां महिलाओं का जीना दूभर हो गया है उन्होंने मणिपुर का हवाला देते हुए पूरे देश में जिस प्रकार से महिलाओं का उत्पीड़न हो रहा है

उस पर चिंता व्यक्त की ।

इस मौके पर गढ़वाल मीडिया प्रभारी व प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सिंह आनंद ने मणिपुर की घटना को प्रत्येक भारतवासी के लिए शर्मसार होने वाली घटना बताया उन्होंने कहा कि जहां नारी को देवी एवं शक्ति स्वरूपा समझा गया है उसी देश में नारियों को भारतीय जनता पार्टी की सरकार पैरों तले कुचल रही है । इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता विपिन खन्ना ने महिला बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी का इस्तीफे की मांग की ।इस मौके पर प्रवक्ता कमलेश रमन ने भी महिलाओं पर हो रहे अत्याचार एवं शोषण को दुखद बताया ।इस मौके पर रिहाना परवीन, सुधा पटवाल, विपिन नेगी ,महिपाल सिंह, सुरेंद्र बिंद्रा ,इकबाल राव, नासिर खान, सीपी सिंह ,अशोक सेमवाल, प्यारा सिंह, गोपाल शर्मा ,आयशा कुरेशी ,राजवीरी शर्मा ,पंकज अरोड़ा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे ।

पौड़ी में गुलदार ने महिला को बनाया निवाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 26 जुलाई : पौड़ी जिले का रिखणीखाल ब्लॉक. इस क्षेत्र में आदमखोर गुलदार के डर से स्कूल कई दिनों तक बंद रहे। लोगों ने घर से बाहर निकलना बंद कर दिया था। पिछले कुछ हफ्ते शांति से गुजरे लेकिन अब यहां गुलदार फिर सक्रिय हो गया है। क्षेत्र में आदमखोर तेंदुए ने एक महिला को निवाला बना लिया। इससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। घटना झरत गांव की है। जहां कन्हैया लाल की पत्नी बिशंबरी देवी को नरभक्षी गुलदार ने मार डाला। घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों में जिम्मेदार महकमों और मातहतों को लेकर नाराजगी है। उत्तराखंड में इन दिनों गढ़वाल से लेकर कुमाऊं तक गुलदार और बाघ आतंक का सबब बने हुए

साभार गूगल

हैं। पिछले कुछ महीनों में नैनीडांडा, रिखणीखाल, पौड़ी और चमोली में गुलदार ने कई लोगों को अपना निवाला बनाया है। नरभक्षी हो चुके गुलदार को मारने के लिए वन विभाग के अधिकारी भी तैनात किए और पिंजरे भी लगाए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। रिखणीखाल, बीरोंखाल और नैनीडांडा में गुलदार खुलेआम घूम रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि सरकार की नजर में आदमखोरों की जान महंगी और इंसानों की जान सस्ती हो गई है, ऐसा न होता तो सरकार बाघों और तेंदुओं की सुरक्षा के लिए भविष्य में पेशेवर अधिकारियों को नियुक्त न करने का फैसला नहीं लेती।गुलदार-बाघ के हमले में स्कूल बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग जान गंवा रहे हैं। खुलेआम घूम रहे गुलदार लोगों के लिए डर का सबब बने हुए हैं। अब रिखणीखाल में गुलदार ने बिशंबरी देवी को मार डाला। ऐसा कब तक चलेगा। भयभीत ग्रामीणों ने नरभक्षी गुलदार को पकड़ने या तुरंत मारने की मांग की है, ताकि वो सुकून से रह सकें।

संक्षिप्त खबरें

प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए कई योजनाएं चला रही सरकार : गीता धामी

देहरादून। सेंट जॉर्ज कॉलेज में 50वां जैकी मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ सीएम पुष्कर सिंह धामी की पत्नी गीता धामी ने हवा में गुब्बारे छोड़कर किया। इस दौरान कॉलेज के छात्रों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गीता धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है और उन्हें उम्मीद है कि आने वाले समय में भारतीय फुटबॉल टीम ऊंचाइयों को छुएगी। कहा कि आज बहुत ही खुशी की बात है कि सेंट जॉर्ज कॉलेज की ओर से फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कई अकादमियों के साथ ही देहरादून और मसूरी के विभिन्न स्कूलों की टीमें भाग ले रही हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। स्टेडियम की कमी के सवाल पर कहा कि इस संबंध में वे मुख्यमंत्री से स्वयं वार्ता करेंगी, जिसका कुछ ना कुछ समाधान होगा। कॉलेज के प्रिंसिपल ब्रदर रमेश अमलानाथन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 30 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं, जिनमें लोकल क्लब के अलावा मसूरी देहरादून के विभिन्न स्कूलों की टीमें भाग ले रही हैं। उन्होंने कहा कि आज जैकी मेमोरियल के 50 साल पूरे होने पर वह खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। भारतीय टीम के कोच महेश गवली ने बताया कि भारतीय फुटबॉल टीम ने रैंकिंग में जबरदस्त उछाल मारी है और आने वाले समय में भारतीय टीम बेहतरीन प्रदर्शन करेगी। इससे पूर्व गीता धामी के साथ भारतीय फुटबॉल टीम के कोच महेश गवाली, भारतीय इंडियन फुटबॉल कोच के टेक्निकल हेड अरुण मल्होत्रा के सेंट जॉर्ज कॉलेज पहुंचने पर कॉलेज के प्रिंसिपल ब्रदर रमेश अमलानाथन ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

जबरन नहीं ली जाएगी किसानों की जमीन: अग्रवाल

देहरादून। टाउनशिप परियोजना के खिलाफ डोईवाला क्षेत्र में तेज होते विरोध के बीच सरकार ने स्पष्ट किया है कि जबरन किसी भी किसान की जमीन नहीं ली जाएगी। आवास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने मंगलवार को आवास विभाग के अधिकारियों के साथ इस विषय पर बैठक की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में अग्रवाल ने कहा कि कुछ लोग डोईवाला, मारखमग्रांट, माजरी में एयरोसिटी बनाने की चर्चा कर रहे हैं, जबकि सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। इसी तरह कुछ लोग टाउनशिप का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पर अभी सिर्फ जोनल प्लान तैयार किया जा रहा है, यदि अंतिम निर्णय होता भी है तो किसानों सहित सभी हितधारकों से संवाद किया जाएगा। बिना किसानों के संवाद किए और सहमति लिए जमीन अधिग्रहण नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार टाउनशिप के जरिए क्षेत्र में सडक़, बिजली, पानी, सीवरेज जैसी सुविधा देगी, इससे किसानों को ही फायदा होगा। लेकिन इसके लिए भी किसानों के साथ संवाद किया जाएगा। अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने बीते दिनों किसानों के प्रतिनिधिमंडल के सामने भी यह बात स्पष्ट तौर पर रख दी है, किसानों को भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं है।

भाजपा महिला मोर्चा ने मनाया अन्न उत्सव

ऋषिकेश। भाजपा महिला मोर्चा ने अन्न उत्सव (मिलेट्स फेस्टिवल) मनाया। वक्ताओं ने लोगों को मोटे अनाज से होने वाले फायदों के प्रति जागरूक किया। मंगलवार को भाजपा महिला मोर्चा ने डोईवाला नगर में अन्न उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में पहुंचे विधायक बृज भूषण गैरोला ने कहा कि यह मिलेट्स फेस्टिवल अन्न को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा मिलेगा। इससे किसानों को भी मोटे अनाजों से संबंधित आवश्यक जानकारियां प्राप्त होंगी। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कविता शाह ने कहा कि मोटे अनाज से हमारे शरीर को कई फायदे होते हैं। सभी अपने घरों में ज्यादा से ज्यादा प्रोटीन वाली दालों का इस्तेमाल करें और अपने बच्चों को भी मोटे अनाज को भोजन में शामिल करने के लिए प्रेरित करें। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी, विक्रम सिंह नेगी, मनमोहन नौटियाल, पूर्व ब्लाक प्रमुख नगीना रानी, आशा सेमवाल, वर्षा वर्मा, मंजू नेगी, अल्पना प्रजापति, रीना चौहान, पूनम तोमर, सलोनी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार से दिल्ली के लिए रात्रि में रेलगाड़ी चलाने की मांग

कोटद्वार। भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड कर्मचारी संगठन ने कोटद्वार से दिल्ली के लिए रात्रि ट्रेन सेवा आरंभ करने की मांग की है। इस संबंध में संगठन महासचिव प्रदीप बडोला ने प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि कोरोना से पूर्व कोटद्वार से दिल्ली के लिए रात्रि में एक रेलगाड़ी का संचालन होता था, जो नजीबाबाद में मसूरी एक्सप्रैस के साथ जुडक़र सुबह दिल्ली पहुंचती थी और रात्रि में दिल्ली से चलकर अगले दिन सुबह कोटद्वार पहुंचती थी। कोरोना काल में इसे बंद कर दिया गया।

उत्तराखंड का साढ़े पांच साल का बच्चा बना विश्व का सबसे कम उम्र का चेस प्लेयर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी 26 जुलाई : उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी यूकेजी में पढ़ने वाले साढ़े पांच साल के तेजस तिवारी विश्व के सबसे कम उम्र के फिडे रेटेड खिलाड़ी बन गए हैं। जून में निकली फिडे रेटिंग में उन्हें 1149 वीं रेटिंग मिली है। फिडे ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट के जरिये फेसबुक पर तेजस तिवारी की उपलब्धि के बारे पोस्ट की है। इससे पहले वह उत्तराखंड के ''यंगेस्ट चेस प्लेयर'' का खिताब हासिल कर चुके हैं।

साढ़े तीन साल की उम्र से शतरंज खेल रहे तेजस ने हाल ही में रुद्रपुर में हुई प्रथम स्व. धीरज सिंह रघुवंशी ओपन फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता में चार ड्रा और दो जीत के साथ फिडे रेटिंग प्राप्त की है।

साभार गूगल

मार्च-2022 में उत्तराखंड शतरंज संघ की ओर से आयोजित 16वीं उत्तराखंड स्टेट ओपन शतरंज प्रतियोगिता के अंडर-8 वर्ग में वह प्रथम स्थान प्राप्त कर उत्तराखंड स्टेट चैंपियन बने।दीक्षांत इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक समित टिक्कू ने बताया कि तेजस के विश्व के सबसे कम उम्र के फिडे रेटेड खिलाड़ी बनने पर अंतरराष्ट्रीय शतरंज संघ फिडे की ओर से पुष्टि की गई है। यह राज्य और देश के लिए बड़ी उपलब्धि है। तेजस अब तक विजयवाड़ा आंध्र प्रदेश में 2022 में हुई राष्ट्रीय अंडर-8 शतरंज प्रतियोगिता, भुवनेश्वर ओडिशा, अहम-दाबाद गुजरात में अंडर-7 शतरंज प्रतियोगिता, 2022 में नई दिल्ली में हुई सब जूनियर और 2023 में होसुर तमिलनाडु में हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और गोल्डन बॉय का खिताब भी ले चुके हैं।सुभाष नगर हल्द्वानी निवासी तेजस को शतरंज की बारीकियां उनके पिता शरद तिवारी ने सिखाईं। शरद तिवारी का पहाड़ में अपना एनजीओ हैं। मां इंदु तिवारी ने भी तेजस को काफी प्रेरित किया। शरद तिवारी ने बताया कि वह काफी खुश हैं। मात्र साढ़े पांच वर्ष की आयु में ही देश के 12 राज्यों में खेलकर प्रतिभा का लोहा मनवा चुके तेजस की उपलब्धि पर एकेडमिक निदेशक स्मृति टिक्कू, स्कूल की प्रधानाचार्या प्रवलीन सलूजा वर्मा, शिक्षिका श्वेता पांडे, अंजना सतवाल, किशन तिवारी, नीरज साह ने खुशी जताई है।

कौन-से कान पर लगाकर सुनना चाहिए फोन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जुलाई : आपने कभी इस बारे में सोचा हो या नहीं, लेकिन सवाल तो है. स्मार्टफोन का इस्तेमाल आजकल हर इंसान करता है. स्मार्टफोन मानो जीवन की जरूरत बन गया है. पिछले कुछ वर्षों में फोन के इस्तेमाल को लेकर कई तरह की स्टडीज़ सामने आई हैं. कोई कहती है कि फोन के इस्तेमाल से कैंसर तक हो सकता है तो दूसरी इस बात को सिरे से खारिज कर देती है. फिर कोई स्टडी आती है और बताती है कि इसके रेडिएशन से मानव समेत पशु-पक्षियों को बड़ा खतरा है तो कोई कुछ और कहती है.

साभार गूगल

इतना तो सब जानते हैं कि फोन पर ज्यादा समय बिताने से आंखों पर प्रतिकूल असर पड़ता है. लेकिन फोन इस्तेमाल करने के लिए आंखों के साथ-साथ कानों की जरूरत भी है. शायद ही किसी ने कानों पर पड़ने वाले संभावित असर के बारे में सोचा हो. आपने भी नहीं सोचा होगा. दुनिया में कुछ शोधकर्ता इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन-सा कान (लेफ्ट या राइट) फोन सुनने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए, और कौन-सा नहीं करना चाहिए. तो चलिए जानते हैं अब तक इन शोधकर्ताओं ने क्या-क्या चीजों को पता लगाया है.

ज्यादातर लोग फोन पर बात करते समय दाएं कान (Right ear) का इस्तेमाल करते हैं. एक रिसर्च के मुताबिक, दाईं तरफ के कान से फोन सुनना सीधा दिमाग पर असर डालता है, जिससे आप छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान हो सकते हैं. एक रिसर्च के मुताबिक, जब हम फोन पर बात करने के लिए दाएं कान का इस्तेमाल करते हैं, तो इसके रेडिएशन ब्रेन पर ज्यादा असर डालते हैं. इसलिए फोन पर बात करते समय हमें बाएं कान (Left ear) का इस्तेमाल करना चाहिए.

हालांकि, इस बात को साबित करने के लिए कोई पर्याप्त सबूत नहीं है और न ही इस बात का कोई सबूत है कि फोन कॉल के लिए बाएं कान का यूज करना सुरक्षित है या दाएं कान का. 2002 में फिनलैंड साइंटिस्ट एंड न्यूक्लियर सेफ्टी अथॉरिटी के अध्ययन में कहा गया था कि जब मानव कोशिकाएं फोन के संपर्क में आती हैं, तो इससे ब्लड-ब्रेन बैरियर (Blood-Brain Barrier) को नुकसान होता है.बता दें कि ब्लड-ब्रेन बैरियर को मानव शरीर में सेफ्टी बैरियर के रूप में भी जाना जाता है जो रक्त में खतरनाक पदार्थों को दिमाग में प्रवेश करने से रोकता है. हालांकि, अध्ययन यह बताने में विफल रहा कि फोन पर बात करते समय किस कान का इस्तेमाल किया जाना चाहिए.

ऐसे में आपके लिए जरूरी है कि फोन पर बात करते वक्त फोन को एक कान से दूसरे की तरफ बदलते रहें और दोनों कानों का इस्तेमाल करें. अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया है कि लगभग 80 प्रतिशत लोग फोन पर कॉल करते समय अपने दाहिने कान का उपयोग करते हैं, क्योंकि हमारे दिमाग का बायां हिस्सा ज्यादा प्रभावशाली होता है.

तुरंत पढ़िए AC और स्लीपर कोच में सोने का नया नियम, वर्ना पड़ेगा भारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 जुलाई , ट्रेन में तो अक्सर सभी लोग सफर करते हैं. कई बार अकेले तो कई बार ग्रुप में दोस्तों या फैमिली के साथ. ऐसे में मौज मस्ती करते हुए टाइम कट जाता है. लेकिन आपको बता दें आपकी मौज मस्ती और सोने का रेलवे ने नियम बना रखा है. इन नियमों का उल्लंघन करने पर यात्री के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. तो अगर आप भी अक्सर ट्रेन से यात्रा करते हैं तो इन नियमों के बारे में जान लेना बेहद जरूरी है. कई बार ट्रेन में पसंद के अनुसार बर्थ भी नहीं मिलती है क्योंकि रेलवे के पास सीमित सीट होती हैं. कई बार मिडिल बर्थ पर सोने को लेकर भी विवाद हो जाता है. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि यात्रा के समय किन नियमों को पालन करना होगा.

भारतीय रेलवे एक व्यापक रेल नेटवर्क है. इससे रोजाना लाखों लोग सफर करते हैं. इसलिए, ये नियम यह सुनिश्चित करने के लिए हैं कि प्रत्येक यात्री को यात्रा का अच्छा अनुभव मिले और रेल नेटवर्क अच्छी तरह से काम करे. इसके तहत रात को तेज आवाज में बात करना, शोर मचाना और गाना सुनना अब यात्रियों को महंगा पड़ेगा. नए नियमों का उल्लंघन करने पर यात्री के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी.

क्या है सोने का नया नियम

पहले यात्री रात के सफर में अधिकतम 9 घंटे तक सो सकते थे. लेकिन अब यह समय घटाकर 8 घंटे कर दिया गया है. पहले यात्रियों को एसी कोच और स्लीपर में रात 9 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक सोने की अनुमति थी. लेकिन रेलवे की तरफ से बदले गए नियम के अनुसार, अब रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ही सो सकेंगे. यानी अब सोने का समय घटकर 8 घंटे रह गया है. यह बदलाव उन सभी ट्रेनों में लागू होगा, जिनमें सोने की व्यवस्था है. यदि आप भी ट्रेन में यात्रा करते हैं तो सोने के नए समय का पालन करना होगा. इसके अलावा ट्रेन में सफर के दौरान अगर देर रात आपके बर्थ पर अपर या मिडिल बर्थ का कोई यात्री बैठा रहता है, तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है. नियम के मुताबिक रात 10 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक के समय में आप इन यात्रियों को उनकी बर्थ पर जाने को कह सकते हैं. ऐसे ही अगर दिन के समय मिडिल बर्थ का कोई यात्री अपनी बर्थ खोलता है, तो आप उसे मना कर सकते हैं.

साभार गूगल

इंटीग्रेटेड टाउनशिप योजना से होगा किसानों और ग्रामीणों को नुकसान : प्रीतम सिंह

ऋषिकेश। पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार जनता को परेशान करने का काम कर रही है। डोईवाला में नई इंटीग्रेटेड टाउनशिप योजना से किसानों और ग्रामीणों को नुकसान होगा। इस योजना को धरातल पर नहीं आने दिया जाएगा। मानसून सत्र में इस मुद्दे को विधानसभा में प्रमुखता से उठाया जाएगा। मंगलवार को माजरीग्रांट में हुई कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि सरकार ने डोईवाला में इंटीग्रेटेड टाउनशिप बनाने के लिए उस भूमि का चयन किया गया है, जो उपजाऊ भूमि है। इसमें किसान खेती करते हैं और इस इंटीग्रेटेड टाउनशिप के लिए इसका चयन होने से लोगो में आक्रोश है। सरकार से जुड़े लोग यह कह रहे हैं कि ऐसी कोई योजना ही नहीं है। अगर ऐसी कोई योजना नहीं है, तो मुख्यमंत्री और सरकार के मंत्री सामने आकर इसका खंडन करें। कांग्रेस विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि सरकार जनता के लिए बनती है। लोग कई बरसों से डोईवाला में बसे हुए हैं और अपनी खेती-बाड़ी करते हैं। सरकार ऐसे लोगों को उजाडने का काम न करे। सरकार इन लोगों के साथ खिलवाड़ न करे। पूर्व मंत्री हीरा सिंह बिष्ट ने कहा कि यहां की जनता ने भाजपा सरकार को जीताने का कार्य किया है और अब रक्षक ही भक्षक बन गए हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने कहा कि कई दिनों से यह आंदोलन चल रहा है, मगर सरकार का कोई भी व्यक्ति सही से स्पष्टीकरण नहीं दे रहा है। अगर सरकार इस मुद्दे को वापस नहीं लेती है, तो पूरे प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा। मौके पर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष गौरव सिंह चौधरी, डोईवाला गन्ना समिति के मनोज नौटियाल, गुरदीप सिंह, अब्दुल रज्जाक, ईश्वर चंद्र पाल, अमीर हसन, उमेद बोरा, विनोद राणा, सागर मनवाल, ग्राम प्रधान अनिल पाल, जिला पंचायत सदस्य टीना सिंह, अब्दुल कादिर, प्रीतपाल सिंह, दलजीत सिंह, बुध देव सेमवाल, संजय खत्री, बलबीर सिंह, राजवीर खत्री, रणजीत सिंह, इंदरजीत सिंह, गौरव मल्होत्रा, रश्मि देवराडी, सावन राठौर, मनजीत रावत, हिमांशु, विशाल अग्रवाल, साकिर हुसैन आदि मौजूद रहे।

मानसून में तेजी से बढ़ रहा आई फ्लू का खतरा, जानें इसके लक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जुलाई : देशभर में बारिश की वजह से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। देश के ज्यादातर राज्यों में इस समय जलभराव की समस्या देखने को मिल रही है, जिसकी वजह से कई जगह बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बरसात की वजह से बिगड़ते हालात के बीच अब एक नई समस्या सामने आ गई है। बीते कुछ दिनों में आई फ्लू के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम बात करेंगे इस संक्रमण, इसके लक्षण और इससे बचाव के बारे मेंआई फ्यू यानी कंजंक्टिवाइटिस को रपिंक आईर के रूप में भी जाना जाता है। यह एक संक्रमण है, जो कंजंक्टिवा की सूजन का कारण बनता है। कंजंक्टिवा क्लियर लेयर होती है, जो आंख के सफेद भाग और पलकों की आंतरिक परत को कवर करती है। मानसून के दौरान, कम तापमान और हाई ह्यूमिडिटी के कारण, लोग बैक्टीरिया, वायरस और एलर्जी के संपर्क में आते हैं, जो एलर्जिक रिएक्शन और आई इंफेक्शन जैसे कंजंक्टिवाइटिस का कारण बनते हैं। इसे 'पिंक आई' क्यों कहा जाता है?

कंजंक्टिवाइटिस, जिसे "पिंक आई, के रूप में भी जाना जाता है, कंजंक्टिवा (पतली और क्लियर लेयर, जो पलक के अंदर की परत और आंख के सफेद हिस्से को ढकता है) में होने वाली सूजन है। इसे पिंक आई इसलिए कहा जाता है, क्योंकि कंजंक्टिवा-

साभार गूगल

इटिस के कारण अक्सर आंखों का सफेद भाग गुलाबी या लाल हो जाता है।"

कंजंक्टिवाइटिस के लक्षण , लालपन ,सूजन ,खुजली ,जलन ,रोशनी के प्रति संवेदनशीलता ,सफेद चिपचिपा पदार्थ निकलना ,सामान्य से अधिक आंसू आना वायरल कंजंक्टिवाइटिस अत्यधिक संक्रामक है और अक्सर सामान्य सर्दी जैसे श्वसन संक्रमण के साथ होता है। यह दूषित सतहों या श्वसन बूंदों के सीधे संपर्क से आसानी से फैल सकता है। बैक्टीरियल संक्रमणः बैक्टीरियल कंजंक्टिवाइटिस बैक्टीरिया के कारण होता है और अत्यधिक संक्रामक भी हो सकता है। यह दूषित हाथों, मेकअप या कॉन्टैक्ट लेंस जैसे सोर्स से बैक्टीरिया के संपर्क में आने के कारण हो सकता है एलर्जिक रिएक्शनः एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस तब होता है, जब कंजंक्टिवा पराग, धूल के कण, पालतू जानवरों के फर, या कुछ दवाओं जैसे एलर्जी के प्रति रिएक्शन करती है। यह संक्रामक नहीं है।हाथों की स्वच्छता बनाए रखें और अपने हाथ बार-बार धोएं, दूषित हाथों के कारण ही कंजंक्टि-वाइटिस फैलता है।आंखों के मेकअप और तौलिये जैसी निजी वस्तुओं को साझा करने से बचें। आंखों के लिए इस्तेमाल होने ब्यूटी प्रोडक्ट को एक्सपायर होने की बाद इस्तेमाल न करें। अपने तकिए के कवर को बार-बार बदलें। अपने तौलिये को बार-बार धोएं और साफ कपड़े पहनें। चूंकि कंजंक्टि-वाइटिस संक्रामक है, इसलिए जिन लोगों को आई फ्लू है, उनके साथ करीब जाने से बचें।

अब बर्गर-नूडल्स के साथ कप, प्लेट और चम्मच भी खा सकेंगे लोग

साभार गूगल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 जुलाईः दुनिया के सामने लोगों की हेल्दी लाइफ स्टाइल को लेकर सबसे बड़ी चुनौती है। फूड प्रोडक्ट्स व खाना परोसने के लिए इस्तेमाल हो रहा प्लास्टिक न सिर्फ हेल्थ के लिहाजा से खराब है, बल्कि दुनिया भर में इससे प्रदूषण भी बढ़ रहा है। दरअसल, प्लास्टिक न लगता है, न जलता है। यदि इसे जलाया जाता है, तो इससे निकलने वाला धुआं सेहत के लिए ठीक नहीं होता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए दुनियाभर में प्लास्टिक से निजात पाने के लिए शोध किए जा रहे हैं। इसमें काफी हद तक वैज्ञानिकों को सफलता भी मिली है।

जी हां, प्लास्टिक के पैक में खाने-पीने की सामग्री परोसने के खतरों से निजात पाने के लिए दुनियाभर में लगातार शोध हो रहे हैं। वैज्ञानिक व उद्यमी इसके विकल्प तलाश रहे हैं। इन्हीं प्रयासों में हैदराबाद के नारायण पीस पति ने मोटे अनाज के आटे से खाने में इस्तेमाल होने वाला चम्मच बनाया है, जिसे खाना समाप्त करने के बाद थाली में रखने की जरूरत नहीं है। मतलब, चम्मच भी भोजन का हिस्सा ही है।

इसी तरह, ब्रिटेन के एक स्टार्टअप ने समुद्री शैवाल से पानी का बरतन यानी जलपात्र बनाया है। वहां के अखबार 'गार्डियन' की रपट में सोमवार को कहा गया कि यह प्लास्टिक की वैश्विक समस्या का समाधान बन सकता है। यदि यह प्रयोग सफल रहा और इसमें कोई हानिकारक तत्व नहीं पाया गया, तो यह प्लास्टिक के बोतलबंद पानी की जगह लेगा और लोगों को प्लास्टिक के बोतल से निजात मिल जाएगी। गौरतलब है कि पिछले महीने बोतलबंद पानी में प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों के मौजूद होने की बात सामने आई थी, जिससे उपभोक्ताओं की सेहत पर गंभीर खतरा होने की बात कही गई थी।

संपादकीय

नियमों में फंसी चर्चा

संसदीय सदन शर्तों और जिद से नहीं चला करते। सदन की कार्यवाही न तो प्रधानमंत्री, न कोई मंत्री और न ही विपक्ष तय कर सकते हैं। लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति को कुछ विशेषाधिकार प्राप्त हैं। वे 'कार्यमंत्रणा समिति' के परामर्श से सदन को संचालित कर सकते हैं। शेष सदन के लिए कई नियम भी बनाए गए हैं। सांसद के नोटिस को किस रूप में, किस नियम के तहत, स्वीकार किया जाए, यह भी पीठासीन अध्यक्ष का विशेषाधिकार है अथवा वे ध्वनि-मत से सदन के बहुमत की राय ले सकते हैं। अब मणिपुर के मुद्दे पर कांग्रेस की मांग है कि पहले प्रधानमंत्री संसद के भीतर बोलें और सरकार का पक्ष रखें। उसके बाद विपक्ष तय करेगा कि चर्चा किस आधार पर करनी है। चर्चा के नियम क्या होने चाहिए? संसद के भीतर विपक्ष की यह अडियल मांग 'असंसदीय' है, क्योंकि यह परोक्ष रूप से प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव है। यदि मणिपुर की हिंसा और धधकते माहौल के मद्देनजर, विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव पेश करना चाहता है, तो यह उसका संसदीय अधिकार है, लेकिन वह प्रस्ताव भी बेमानी साबित होगा। सरकार के पक्ष में प्रचंड बहुमत आज भी है। शायद इसीलिए विपक्ष राज्यसभा में नियम 267 के तहत चर्चा पर आमादा है, क्योंकि उसमें बहस के बाद मत-विभाजन का प्रावधान है। बेशक राज्यसभा में भाजपा-एनडीए का बहुमत नहीं है, लेकिन वे इतने भी अल्पमत में नहीं हैं कि विपक्ष को बहुमत हासिल हो जाए। सत्ता-पक्ष नियम 176 के तहत चर्चा का पक्षधर है, जिसके तहत अधिकतम अढाई घंटे तक ही चर्चा की जा सकती है, लेकिन सभापति उसकी अवधि बढ़ा भी सकते हैं। विपक्ष 'नैतिकता' को लेकर मणिपुर के लिए अढाई घंटे को नाकाफी समय मान रहा है। हालांकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में द्रमुक सांसद टीआर बालू और तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के नेता सुदीप बंदोपाध्याय से फोन पर बातचीत कर गतिरोध को समाप्त करने का अनुरोध किया। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी अपील की, लेकिन विपक्ष अपनी शर्त और जिद पर अड़ा है कि पहले प्रधानमंत्री दोनों सदनों में अपना वक्तव्य दें। उसी के बाद चर्चा पर कोई निर्णय होगा।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

मोबाइल का लॉक खोलने की कोशिश की तो क्लिक हो जाएगी फोटो

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 जुलाई , जिस ऐप के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं उस ऐप में खास बात ये है कि जो भी शख्स आपका मोबाइल खोलने की कोशिश करेगा, उसका फोटो आपको आपकी गैलरी में पहुंच जाएगा या ईमेल के द्वारा आपको प्राप्त हो जाएगा।Lockwatch एक ऐसा ऐप है, अगर कोई शख्स आपके मोबाइल को अनलॉक करने की कोशिश करता है तो उसका फोटो क्लिक कर लेता है। इसे इनेबल करने के बाद जबरदस्ती फोन को अनलॉक करने की कोशिश करेगा तो तुरंत उसका फोटो क्लिक हो जाएगा और आपको ईमेल पर इसकी जानकारी मिल जाएगी। साथ ही इस ऐप का फायदा ये भी है कि GPS लोकेशन भी पता चल जाती है यानी कि आपको नंबर ऑफ लॉक अटेम्प्ट सेट करने की सुविधा मिल जाती है। इसका आपको ये फायदा होगा कि अगर आपका मोबाइल कहीं खो गया है तो आपको उसके

फोटो के अलावा लोकेशन भी ईमेल के जरिए मिल जाएगी।अगर आपको इस ऐप में और भी फीचर्स चाहिए तो इसकी प्रीमियम सर्विस लेना पड़ेगी। प्रीमियम सर्विस लेने पर आपको सिम कार्ड चेंज अलर्ट और बिना अनलॉक किए स्विच ऑफ करने पर अलर्ट और एक फोटो की जगह तीन फोटोज ईमेल पर भेजने की सुविधा मिल जाती है।

Third Eye

ये ऐप Lockwatch से कम नहीं है, इसमें आपको Lockwatch जैसे फीचर्स मिलेंगे लेकिन ईमेल वाली सुविधा नहीं मिलती है। आपको ये ऐप गुगल प्ले स्टोर से फ्री में डाउनलॉड करके यूज करने को मिल जाता है, लेकिन फोटो ईमेल पर नहीं मोबाइल की गैलरी में ही सेव हो पाते हैं।

उत्तराखंड में पांचों लोकसभा सीटें कांग्रेस जीतेगी : हरीश रावत

ऋषिकेश। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में उत्तराखंड में पांचों सीटों पर कांग्रेस चुनाव जीतेगी। कहा कि लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार पर गठबंधन भारी पड़ेगा। दावा किया कि उत्तराखंड में क्षेत्रीय दलों ने भी कांग्रेस की मजबूती के लिए अपनी सैद्धांतिक सहमति जताई है। जयराम आश्रम में आयोजित प्रेसवार्ता में पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस हमेशा देश के विकास एवं आमजन के कल्याण की बात करती है। जबकि भाजपा हमेशा वोट के लिये लोगों को बांटने का काम कर रही है। लेकिन अब जनता भाजपा की असलियत जानने लगी है। दावा किया कि केंद्र में इस बार कांग्रेस की सरकार ही बनेगी। जबकि उत्तराखंड में सभी सीटें कांग्रेस जीतेगी। कहा कि गठबंधन बनने के बाद मोदी सरकार परेशान है। इसलिये वह जनहित से जुड़े मुद्दों की बजाय दूसरी तरफ जनता का ध्यान बांट रही है। लेकिन अब जनता भाजपा के इरादे समझने लगी है। इसलिये इस बार केंद्र में गठबंधन की सरकार ही बनेगी। गठबंधन कामयाब न हो इसके लिये तरह-तरह के पड्यंत्र रचे जा रहे हैं। महंगाई, बेरोजगारी के समाधान के बजाय धर्म के नाम पर लोगों को बांटने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश में हाईवे पर जाम की समस्या से लोग परेशान है। लेकिन समस्या के निदान को सरकार गंभीर नहीं है। जाम के चलते ऋषिकेश का पर्यटन व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। कहा कि आईडीपीएल की समस्या के निराकरण को भी सरकार गंभीर नहीं है। जबकि पीएम आवास योजना के तहत गरीबों को आवास देने के बड़े-बड़े दावे किये जा रहे हैं। चेताया कि यदि सरकार ने आईडीपीएल के लोगों की मांग पर गंभीरता न दिखाई तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

राज्यपाल ने झाझरा ग्राम पंचायत का किया भ्रमण, चौपाल लगाकर सुनी समस्याएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 जुलाई, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सहसपुर ब्लॉक के ग्राम झाझरा का भ्रमण कर संचालित योजनाओं का निरीक्षण किया। राज्यपाल ने इस दौरान झाझरा ग्राम में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य उपकेंद्र, स्कूल और विभिन्न विभागीय योजनाओं का भी निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत झाझरा राज्यपाल द्वारा गोद लिया गया ग्राम है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय, झाझरा का निरीक्षण

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) अपने भ्रमण के दौरान उच्च प्राथमिक विद्यालय, झाझरा पहुंचे। यहां उन्होंने बच्चों के साथ संवाद किया। इस दौरान meanwhile राज्यपाल ने एक अध्यापक बनकर बच्चों को पढ़ाया। उन्होंने बच्चों का हौसला अफजाई करते हुए उन्हें जीवन में ऊंचा लक्ष्य रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि बच्चे हमेशा बड़ा सपना देखें और एक संकल्प लेते हुए उसे पूर्ण करें। उन्होंने बच्चों से हमेशा कड़ी मेहनत करने को कहा। इस दौरान राज्यपाल ने बच्चों से उनकी जिज्ञासाओं और उनके लक्ष्य के बारे में पूछा और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आंगनबाड़ी केंद्र एवं स्वास्थ्य उपकेंद्र, झाझरा का निरीक्षण

राज्यपाल ने आंगनबाड़ी केंद्र झाझरा पहुंचकर छोटे-छोटे बच्चों से मुलाकात की। उन्होंने आंगनबाड़ी सुपरवाइजर से केंद्र की जानकारी ली। स्वास्थ्य उपकेंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की जानकारी और वहां बच्चों के टीकाकरण सहित अन्य व्यवस्थाओं और सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। राज्यपाल ने कहा कि आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां बेहद श्रद्धा और परिश्रम से कार्य कर रही हैं और उनके कार्यों से वे हमेशा बेहद

प्रभावित रहते हैं। इस दौरान अवगत कराया गया कि उन्हें बेहद कम मानदेय मिलता है जिस पर राज्यपाल ने उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

महिला स्वयं सहायता समूह से मुलाकात एवं उनके स्टॉलों का निरीक्षण

राज्यपाल ने अपने भ्रमण के दौरान झाझरा स्थित ''आनंद वन'' में लगाए गए महिला स्वयं सहायता समूह के स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों की जानकारी ली और बनाए गए उत्पादों की सराहना की। बालाजी कलस्टर के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉलों में राज्यपाल ने प्रत्येक समूह द्वारा बनाए गए उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पाद सचमुच में विश्व स्तरीय हैं।

ग्राम पंचायत झाझरा में चौपाल लगाकर सुनी समस्याएं

राज्यपाल ने अपने भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत झाझरा में लोगों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनी और उनका हर संभव निराकरण करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि झाझरा ग्राम पंचायत उनके द्वारा गोद लिया गया ग्राम है। इस ग्राम की कोई भी समस्या या सुझाव हो तो ग्राम प्रधान राजभवन में भी आकर अपनी समस्या बता सकते हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर होने वाला विकास बेहद महत्वपूर्ण है इसके लिए जनप्र-तिनिधियों व ग्रामवासियों को जागरूक होने की जरूरत है।

भ्रमण के दौरान राज्यपाल ने झाझरा स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भूमिहीन परिवारों के लिए बनाए गए आवासों में रह रहे लोगों से मुलाकात की। उन्होंने लोगों से उनकी समस्याओं की जानकारी भी ली। उन्होंने मेरा गांव, मेरी सड़क योजना के तहत बने मोटर मार्ग का भी निरीक्षण किया। भ्रमण में मुख्य विकास अधिकारी देहरादून झरना कमठान सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नशे की तस्करी करने वाले अपराधियों के खिलाफ पौड़ी पुलिस की बड़ी कार्रवाही

न्यूज वायरस नेटवर्क

पौड़ी 26 जुलाई : मुख्यमंत्री उत्तराखंड द्वारा वर्ष- 2025 तक उत्तराखंड को नशा मुक्ति ("ड्रग्स फ्री देवभूमि") बनाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे द्वारा जनपद में नशीले मादक पदार्थों एवं ड्रग्स की बढ़ती प्रवृति पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने व अवैध तरीके से नशीले पदार्थों की खरीद फरोख्त करने वालों के विरूद्ध चैकिंग अभियान चलाकर धर-पकड़ करते हुए वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु आदेशित किया गया है।जिसके क्रम में जनपद की थाना धुमाकोट पुलिस द्वारा दिनांक 25.02.2023 को थाना क्षेत्रान्तर्गत दौराने चैकिंग अभियुक्त रणधीर सिंह निवासी-मुरादाबाद (उ0प्र0) को दुनाव धुमाकोट के पास से 85 किलोग्राम अवैध गांजे (जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय कीमत लगभग ₹13 लाख) और अवैध गांजा परिवहन करने में प्रयोग किये जाने वाले वाहन स्विफ्ट संख्या UP 16 AQ-4638 के साथ गिरफ्तार कर थाना धुमाकोट पर NDPS ACT के तहत अभियोग पंजीकृत करते हुए जेल भेजा गया था। विवेचना के दौरान तत्समय अभियुक्त रणधीर सिंह ने पूछताछ में बताया था कि उसने सनोज सिंह नेगी नाम के लड़के से उक्त अवैध गांजा ₹1 लाख 22 हजार में खरीदा था, जिसका पता नि0- ग्राम भगल्वाड़ी, बुरांशपानी, कुलान्तरेश्वर, थाना-सल्ट, जनपद अल्मोड़ा बताया।उक्त अभियान में अभियुक्त से वाणिज्यिक मात्रा में गांजा बरामद होने के कारण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे के कुशल निर्देशन में उपरोक्त मामले की Financial Investigation करायी गयी।

दौरान विवेचना विवेचक थानाध्यक्ष रिखणीखाल अरविन्द कुमार ने अभियुक्त रणधीर द्वारा अवैध व्यापार से अर्जित की गयी 02 स्कूटी व 01 मोटर साईकिल NDPS Act की धारा- 68 (E) व 68 (F) के तहत जब्तीकरण की कार्यवाही की गयी।

अभियोग उपरोक्त में संलिप्त अभियुक्त सनोज अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए अलग-अलग प्रदेशों में पिछले 05 माह से छुपा हुआ था, जो उपरोक्त अभियोग में वांछित चल रहा था। जिस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी द्वारा ₹10,000/- का इनाम घोषित किया गया। पुलिस टीम द्वारा ठोस सुरागरसी पतारसी व मुखबिर तंत्र का बेहतरीन प्रयोग कर अथक प्रयासों से दिनांक 24.07.2023 को उपरोक्त अभियोग में संलिप्त अभियुक्त सनोज को NDPS Act की धारा-29 के तहत दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शुदा अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्त के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। अभियुक्त मनोज नेगी द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी से कमाई गई अवैध चल-अचल सम्पत्ति की भी पौड़ी पुलिस Financial Investiga-tion कर रही है, जिसे नियमानुसार सीज करने की प्रक्रिया की जाएगी।

अभियुक्त द्वारा पूछताछ में बताया कि मेरे द्वारा ही पूर्व में मुरादाबाद उ0प्र0 निवासी रणधीर नाम के व्यक्ति को 85 किलोग्राम

अवैध गांजा ₹1 लाख 22 हजार में बेचा गया था। कुछ दिन पूर्व पुलिस मेरी गिरफ्तारी हेतु मेरे घर ग्राम भगल्वाड़ी अल्मोड़ा में आयी थी तो उस समय मैं खेतों में काम करने गया था जिस कारण पुलिस गिरफ्त में नहीं आ पाया। इसलिए मैं अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए भेष बदलकर दिल्ली में छुपा हुआ था। जहां से मुझे पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया।